would be provided to the Members and whether it is a cheap facility or an expensive facility. Perhaps, Members like you and me cannot afford a cellular telephone. But this hand facility is available at a particular frequency to interact with some people. This facility is costing only Rs. 10,000/-. Those who can afford, they would buy it. The Government is not going to pay any money for it. The Government is only helping interested Members to get the frequency. Members will have to pay themselves. So, please don't let an impression go that any Member in this House including me is asking for any largesse from the Government ...(*Interruptions*)...

SHRI ASHOK MITRA: Whatever I wanted to say I have put it on record. Ours is a poor country.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, ... (*Interruptions*).....

SHRI ASHOK MITRA: You may be rich. But the constituency from where I come is very, very poor.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, some Members have taken computers. Mr. Mitra, have you taken a computer from the Parliament or not? (*Interruptions*) .....

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Madam, I will ..... (*Interruptions*)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will handle it. I will handle it. Please, please, please, one minute.

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: It was my question. So, I have to clarify it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I did it for you. You don't have to clarify it. .....(*Interruptions*)..... Mr. Ashok Mitra, you thought that some Members wanted some extra facilities. It is not like that. It is only a frequency which they are going to buy. If somebody can afford to buy, why should anybody have an objection to it? We need that system. .....(*Interruptions*)..... I have already proceeded to the next question. Q. No. 142. *Boliye*..... (*Interruptions*)..... We are discussing about telecom facility, not West Bengal. .....(*Interruptions*).....

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, why don't they return the computers? (..... (*Interruptions*).....

THE DEPUTY CHAIRMAN: There are cross-lines. .....(*Interruptions*).... मंत्रीजी, जवाब दीजिए।

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Only Chandan Basu is poor. .....(*Interruptions*).....

THEY DEPUTY CHAIRMAN: Who is Chandan Basu? ..... (*Interruptions*)..... In any case, I do not know who Chandan Basu is.....(*Interruptions*)..... I don't even know that if Chandan Basu is a Member of this House. So, we need not mention his name. बोलिए मंत्रीजी, जवाब दीजिए। (*Interruptions*)..... Honourable Members, you don't want Q. No. 142 to be taken up.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, is Chandan Basu unparliamentary?

टेलीफोन सेवाओं में निजी-क्षेत्र को लाइसेंस दिया जाना

*142. **श्री सुन्दर सिंह भंडारी:** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) टेलीफोन सेवाओं में निजी-क्षेत्र को लाइसेंस देने में किन-किन नियमों को लागू किया गया है;

(ख) राज्य-वार किन-किन कम्पनियों को लाइसेंस जारी किये गये हैं और उन्हें क्या कार्य सौंपा गया है; और

(ग) इस संबंध में अन्य राज्यों के लिये क्या योजनायें हैं?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) मूलभूत और सेल्यूलर सचल टेलीफोन सेवाओं के लिए निजी क्षेत्र को लाइसेंस जारी करने के सम्बन्ध में

मुख्य निबंधन और शर्तें (संलग्न विवरण) में दी गई हैं। **(नीचे देखिए)**

(ख) मूलभूत टेलीफोन सेवाओं के लिए अभी तक कोई लाइसेंस जारी नहीं किए गए हैं। जहां तक सेल्यूलर सचल टेलीफोन सेवा का संबंध है। चार महानगरों में आठ कम्पनियों को लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। इन कम्पनियों के ब्यौरे संलग्न विवरण - II में दिए गए हैं। **(नीचे देखिए)**। प्रत्येक लाइसें सधारक को सेवा क्षेत्र में सेल्यूलर सचल टेलीफोन सेवा के प्रचालन का कार्य सौंपा गया है। सेवा-क्षेत्र का ब्यौरा विवरण-II के कालम (iii) में दिया गया है।

(ग) राज्यों/प्रान्तीय दूरसंचार सर्किलों में मूलभूत और सेल्यूलर सचल टेलीफोन सेवाओं का प्रचालन फ्रेन्चाइज करने संबंधी निविदाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

विवरण - I

मुख्य निबंधन एवं शर्तें

(क) सेल्यूलर सचल टेलीफोन सेवा

1. बोली दाता कम्पनी एक भारतीय पंजीकृत कम्पनी होनी चाहिए।

2. बोलीदाता कम्पनी की इक्विटी में कुल 49 प्रतिशत से अधिक की विदेशी इक्विटी नहीं होनी चाहिए।

3. बोलीदाता कम्पनी और इसके भारतीय तथा विदेशी दोनों प्रवर्तकों की निवल पूंजी "ग" सर्कल के लिए 30 करोड़ रु०, "ख" एवं "ग" सर्किलों के लिए 50 रु० करोड़ और "क" "ख" एवं "ग" सर्किलों के लिए 100 करोड़ रु० से कम नहीं होनी चाहिए। यदि बोलीदाता कम्पनी की इक्विटी पूंजी में विदेशी प्रवर्तक का हिस्सा 10 प्रतिशत से कम है तो उसकी निवल पूंजी को महत्व नहीं दिया जाएगा।

4. बोलीदाता कम्पनी के नेटवर्क में सेल्यूलर सचल टेलीफोन सेवा की कम से कम एक लाख लाइनों का उपभोक्ता-आधार होना चाहिए तथा उसे सेल्यूलर टेलीफोन नेटवर्क के प्रचालन का कम के कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

5. बोलीदाता कम्पनी के अनुभव में, सेल्यूलर सचल नेटवर्क का प्रचालन करने वाली उस भारतीय या प्रवर्तक कम्पनी का अनुभव भी शामिल किया जाएगा, जिसकी बोलीदाता कम्पनी में इक्विटी-भागीदारी 10 प्रतिशत या इससे अधिक है।

6. लाइसेंस की अवधि 10 वर्ष की होगी, जिसे दूरसंचार प्राधिकारी के विवेकानुसार आगे बढ़ाया जा सकता है।

7. लाइसेंस प्राधिकर्ता, लाइसेंस करार पर हस्ताक्षर करने या लाइसेंस के प्रभाव में आने की तारीख से 12 माह के भीतर, इनमें से जो भी पहले हो, सेवा प्रदान करेगा।

8. सेवा, समूह विशेष सचल या विश्वजनीय सचल संचार (जी एस एस) के मानकों के अनुरूप होगी।

9. ये सेवाएं दूरसंचार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अधिकतम शुल्क-दर के भीतर प्रदान की जाएगी।

10. लाइसेंस प्राप्तकर्ता दूरसंचार विभाग को दिए जाने वाले अभिमम्यता तथा जंक्शन प्रभारों के अलावा दूरसंचार प्राधिकारी को लाइसेंस शुल्क का भुगतान करेगा।

11. लाइसेंस प्राप्तकर्त्ता बेतार लाइसेंस शुल्क, डब्ल्यू पी सी रॉयल्टी, जी एस एम समझौता ज्ञापन संबंधी प्रभारों आदि का भी भुगतान करेगा।

12. लाइसेंस, गैर-विशिष्ट आधार पर जारी किए जाएंगे।

(ख) : मूलभूत टेलीफोन सेवा प्रदान करने के सम्बन्ध में लाइसेंस जारी करने के नियम :—

1. कम्पनी एक भारतीय पंजीकृत कम्पनी होनी चाहिए।

2. कम्पनी को मूलभूत टेलीफोन सेवा की कम से कम पांच लाख लाइनें प्रदान करने का अनुभव होना चाहिए।

3. बोलीदाता कम्पनी में विदेशी इक्विटी 49% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

4. अद्यतन लेखा परीक्षित तुलन पत्र में यथा उल्लिखित बोलीदाता कम्पनी की निवल पूंजी

"ग" श्रेणी के सर्किल के लिए 50 करोड़ रु० "ग" और "ख" श्रेणी के सर्किल के लिए 200 करोड़ रु० और "क" "ख" तथा "ग" श्रेणी सर्किलों के लिए 300 करोड़ रु० से कम नहीं होनी चाहिए।

5. लाइसेंस आरम्भ में 15 वर्ष की अवधि के लिए मंजूर किया जाएगा।

6. लाइसेंसधारक, लाइसेंस जारी होने की तारीख से 12 महीनों के भीतर सेवा आरम्भ कर देगी।

विवरण - II

महानगरों में "सेल्यूलर सचल टेलीफोन सेवा" के प्रचालन के लिए चुनिंदा बोलीदाताओं तथा उनके विदेशी साझीदारों की सूची

क्र० सं०	कम्पनी/लाइसेंसधारक का नाम कालम (I)	विदेशी साझीदार का नाम कालम (II)	सेवा क्षेत्र कालम (III)
1.	भारती सेल्यूलर लि०	(i) मैसर्स जनरल मोबाइल यू० के०	दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद
		(ii) मैसर्स ई०एम०टी० ई० एल० लि०, मारिशस	
		(iii) मैसर्स मोबाइल सिस्टम्स इंटरनेशनल, यू० के०	
2.	स्टर्लिंग सेल्यूलर लि०	मैसर्स सेल्यूलर कॉम इंटरनेशनल, यू० एस० ए०	-वही-
3.	बी पी एल सिस्टम्स एंड प्रोजेक्ट्स लि०	(i) मैसर्स फ्रांस टेलीकॉम	बम्बई, कल्याण
		(ii) मैसर्स एल सी सी इंक०, यू० एस० ए०	
4.	हूचीसन मैक्स टेलीकॉम	हूचीसन टेलीकॉम लि०, हांगकांग	-वही-
5.	मोदी टैलस्ट्रा प्रा० लि०	मैसर्स टेलस्ट्रा, ऑस्ट्रेलिया	कलकत्ता
6.	उषा मार्टिन टेलीकॉम लि०	टेलीकॉम मलेशिया बी० एच० डी०, मलेशिया	कलकत्ता
7.	आर पी जी सैल्यूलर सर्विसज़ लि०	बीडाफोन ग्रुप, पी०एल०सी० यू० के०	मद्रास, मरिमलाई नगर निर्यात संवर्धन क्षेत्र, मिंजूर, महाबलीपुरम्
8.	स्काईसेल कम्यूनिकेशन्स प्रा० लि०	(i) बेल साऊथ, ईनटरनेशनल (एशिया/पेसिफिक) इन्कॉ०, यू०एस०ए०	-वही-
		(ii) मिलिकॉन इंटरनेशनल सेल्यूलर, यू० एस० ए०	-वही-

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: सरकार ने यह जो कहा है कि अभी लाईसेंस नहीं दिए गए, तो मैं यह जानना चाहती हूं कि जो बेसिक टेलीकम्युनिकेशन सर्विसेज है, क्या इसमें अभी तक कोई काम हुआ है, कुछ टेंडर मांगे गए हैं, कुछ टेंडरों पर विचार हुआ है? फाइनलाइजेशन नहीं हुआ होगा? क्या सरकार इस संबंध में सदन को

विश्वास में लेना पसंद करेगी?

श्री सुखराम: मैडम, इसमें लाइसेंस नहीं दिए गए, मगर जो उसमें टेंडर भी आए हैं, उसका टेक्नीकल स्क्रूटनी भी हो गई है, उसकी फाइनेंसियल स्क्रूटनी भी हो गई है और अभी जहां तक उसमें बेसिक सर्विसेज का ताल्लुक है उसमें करीबन 5 लाइसेंस के लिए एल०ओ०आई० देने के लिए हमारी तैयारी है और कुछ ऐसे केसेज है जहां एक रीजनेबेल लिमिट जिसमें इतना रुपया हमको आ सकता था वह नहीं आया उसके नीचे थे, इसके लिए हमने फैसला लिया है कि दोबारा टेंडर इंवाइट किए जाएंगे और इस महीने की पहली तारीख से वह शुरू हो गया है और टेंडर की तारीख हमने डिक्लेयर करदी है और पहली जनवरी की लास्ट डेट हमने रखी है। उसमें सारा प्रोसस कम्पलीट करेंगे। हमने यह तय किया है कि 15 जनवरी तक हम इसको फाइनलाइज करेंगे। हमारे 13 सर्किल है उनमें भी पहले एल०ओ०आई० देते हैं उसके बाद लाइसेंस देते हैं।

उपसभापति: सेकेंड सप्लीमेंट्री।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: महोदया, क्या सरकार ने अब उस नियम को छोड़ दिया है कि एक व्यक्ति को अधिक से अधिक कितने लाइसेंस दिए जाएं? दूसरे, लाइसेंस देते समय क्या उस व्यक्ति को इस बात का ऑप्शन रहने वाला है कि इस क्षेत्र के बजाय दूसरे क्षेत्र में वह जाए या जहां का उसने सबसे ज्यादा बिड दिया है उसी क्षेत्र में उसको रहने के लिए मजबूर किया जाएगा?

श्री सुखराम: मैडम्, जहां तक ऑप्शन का ताल्लुक है, हमने एक नीति का निर्णय लिया। मैंने इस सदन में और दूसरे सदन में भी विश्वास दिलाया था जब मेंबर साहबान ने यह शंका जाहिर की थी कि कहीं किसी कम्पनी को मॉनोपोली न दी जाए। मैंने विश्वास दिलाया था कि हम मोनॉपोली नहीं देंगे, ऐसा ट्रेड हम पैदा नहीं करने देंगे, इस वास्ते हमने निर्णय लिया तथा तीन हिस्सों—ए, बी और सी में हमने सर्किल को बांटा जो हाईली रेवेन्यू जेनेरेटेड स्टेट हैं, सर्किल है उनको ए में रखा, उसके बाद बी में औ सी में रखा। तो ए और बी के लिए हमने तीन का कैप रखा कि तीन से ज्यादा हम इंडियन रजिस्टर्ड कम्पनी है उसको नहीं देंगे। अगर तीन से ज्यादा किसी ने हाईएस्ट अपनी बिड दी है तो उनको हमने उसमें एक ऑप्शन दी कि एक केटेगरी में अगर वह एच-1 है तो एच-1 में ही उनको ऑप्शन देना पड़ेगा। अगर एच-2 है तो एच-2 में देना पड़ेगा। यह नहीं हो सकता कि एच-1 को छोड़कर एच-2 में वह चला जाएगा। इस वास्ते हाई एच-1 में जिने स्टेट्स आते है उनको आप्शन दिया गया कि वह सलेक्ट कर दें। यह इस वास्ते कि सलेक्ट करके बैक-आउट नहीं कर सकते है। हालांकि हमारे पास मनी वगैरह सारी है। मगर हो सकता है कि हम उन पर इम्पोज करें तो वह एक स्टेट लें और दो छोड़ दें तो हमारे लिए मुश्किल होगा। इसलिए आप्शन उनको दिया गया, सब को दिया है चाहे वह सेल्यूलर हो चाहे बेसिक हो, हमने आप्शन उसमें रखा है।

श्री प्रमोद महाजन: उपसभापति महोदया, अभी अभी मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है, इसमें इस सारे टेलीकाम के घोटाले की जड़ है। अगर आप मंत्री जी के उत्तर को देखें तो मूलभूत टेलीफोन सेवा प्रदान करने के संबंध में नियम जारी किए हैं। इन नियमों में कहीं भी, किसी भी क्षेत्र में तीन की कैपिंग होगी, इस प्रकार का उल्लेख नहीं है। कहीं कहा नहीं है कि कोई टेलीफोन कंपनी केवल तीन क्षेत्र में ही चुन सकती है, ऐसा कहीं नहीं कहा है नियमों में, इसका हुआ क्या? जब टेंडर खुले तो 16 क्षेत्रों की बिड में 9 क्षेत्रों में एक ही कंपनी सबसे आगे आई।

श्री मोहम्मद सलीम: उस कंपनी का क्या नाम है?

श्री प्रमोद महाजन: उस कंपनी का नाम है हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशन लिमिटेड। मैं यह नहीं जानता, हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्यूनिकेशन, अंग्रेजी का अगर हिन्दी कर दूं तो एक दूसरे के साथ इसका क्या संबंध है। 16 में से 9 में यह कंपनी हायस्ट बिडर है। हमारी सरकार की जो 1 लाख 15 हजार करोड़ की फीस है, आने वाले 15 सालों में मिलने वाली है, उसमे यह हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशन लिमिटेड से जो मिलना है यह 85 हजार करोड़ है। जो हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशन लिमिटेड है यह 74 परसेंट टेंडर का हिस्सा है। अगर उसकी डिटेल में जायें, लेकिन क्वेश्चन आवर से ज्यादा डिटेल में नहीं जा सकते लेकिन केवल दिल्ली को छोड़कर जहां हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कंपनी ने 15 हजार कोट किया है वहीं ए०टी०एन०टी० बिरला ने 11 हजार कोट किया है। इस में भी 4 हजार का फर्क है। इसको अगर छोड़ दें तो हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्यूनिकेशन लिमिटेड और सेंकड वेस्टकोट जो था, उसमें पांच-चांच गुना का अंतर है। मैं केवल एक उदाहरण दूंगा।

श्री सभापति: सवाल पूछ लीजिए।

श्री प्रमोद महाजन: सवाल इससे ही जुड़ा हुआ है।

यह हिन्दुस्तान टेलीकाम का सबसे बड़ा घोटाला है और जब तक मैं इसकी बैकग्राउंड नहीं रखूंगा मैं सवाल नहीं पूछ सकता। मैं जानता हूं कि क्वेश्चन आवर में ज्यादा समय नहीं लेना चाहिए।

हिमाचल फ्यूचूरिस्टिक कम्यूनिकेशन कंपनी लिमिटेड कोट करता है 15 हजार करोड़ और ए०टी०एन०टी० कोट करता है...(व्यवधान)....तीन हजार करोड़ रुपये।

उपसभापति महोदया, अगर यह हमारे बेसिक नियम में नहीं था तो हम हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्यूनिकेशन लिमिटेड को यह कह देते कि तुम 9 सर्कल में आए हो, तुमने 85 करोड़ रुपया देना कबूल किया है। टेंडर आपका खुला है। मैं इस कंपनी के खिलाफ नहीं हूं।

The Himachal Futuristic Communication Ltd. should have been allotted all the nine circles with Rs. 85,000 crores to be paid to the Government.

अब मिनिस्ट्री ने क्या किया? इसमें बेईमानी झलकती है।.....(व्यवधान).....आप को फ्री हैंड.....(व्यवधान).....

उपसभापति महोदया, यह नियम इसलिए बदला गया है कि हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्यूनिकेशन लिमिटेड ने तीन सर्कल पाने के लिए अनाप-शनाप टेंडर कोट किए। जब नौबत यह आई तो हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशन लिमिटेड इसको नहीं कर सकता तो उसको बचाने के लिए सरकार ने अपने दिमाग से मोनोपोली का कान्सेप्ट लिया और उनको मोनोपोली में यह कहा कि आप तीन सर्कल चुनिए।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Will you please frame your question? I have got other names also.

श्री प्रमोद महाजन: मैं प्रश्न यह पूछना चाहता हूं कि .....(व्यवधान) उपसभापति महोदया, सदन को इसकी जानकारी मिलना जरूरी है इसलिए मैं आप का समय ले रहा हूं कि जो नियम बदले हैं वे तो इसमें लिखे ही नहीं। अब नया नियम लाया गया है, पहले तो मोनोपली का और दूसरा नियम लाया गया है सैकन्ड प्लेस बीडर्स। फस्ट प्लेस बीडर्स का पैसा देना चाहिए। तीन हजार और पन्द्रह हजार तो कोई देगा नहीं। सैकेन्ड प्लेस बीडर्स नहीं तो थर्ड प्लेस बीडर्स को फस्ट प्लेस बीडर्स को पैसा देना चाहिए। अब इस प्रकार का एक और नियम लगा लिया जो इसमें पहले से नहीं था एक छोटा सा उदाहरण देकर मैं मूल प्रश्न पर आता हूं। हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशन लिमिटेड अगर हाईएस्ट सर्किल चुनती तो इसको आन्ध्र प्रदेश, गुजरात और दिल्ली कम से कम सरकार यह तो कहती कि हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कं० को अगर एक करना है They should choose the highest three amongst the nine अगर हाईस्ट थ्री एमाउन्ट्स आते they should choose Andhra Pradesh, Gujarat and Delhi. अगर यह इसको चूज कर लेते हैं they will have to pay Rs. 45,000 crores. Now in order to save this company यह आस-पास के सर्किल का नियम बनाया गया है। उसमें अब जो हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कं० है They are selecting Haryana, Delhi and Uttar Pradesh West, out of which Haryana and Uttar Pradesh West got Rs. 10,000 crores. Delhi is the most lucrative market. If both are put together वह 15 हजार करोड़ हो गया 25 हजार करोड़ में हिमाचल फ्यूचरिस्टि कम्युनिकेशन लि० को दिल्ली.....(व्यवधान) तीन प्रदेश दे दिए .....(व्यवधान) तो मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्योंकि सरकार ने जो टेलीकाम सर्किल में बीडिंग के लिए जो मूलभूत नियम जारी किए थे उन नियमों को बदलने के कारण इस टेंडर की वेलेडिटी, इसकी पवित्रता भंग हुई है, देश का नुकसान हुआ है। एक कम्पनी को मदद करने के लिए वे तुले हैं। ऐसा उन्होंने क्यों किया? क्या इस पर वे विचार करेंगे? यह इस शताब्दी का टेलीकम्यूनिकेशन का सबसे बड़ा घोटाला है।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Madam,.....

THE DEPUTY CHAIRMAN: अभी नहीं. Let him answer.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Who is the super supporter of this golemaal. We want to know this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him answer. *(Interruptions)*. The Minister is answering.

श्री सुख राम: उपसभापति जी, जहां तक नियम बदलने का प्रश्न है, हमने कोई नियम नहीं बदला। जो

टेंडर का कंडीशन है अगर सारी कंडीशन मैं दे देता.....(व्यवधान)

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: इसमें तीन है ..... (व्यवधान)

श्री सुख राम: आपने बोल दिया, मुझको बोलने दीजिए। मैंने सुना है.....(व्यवधान)

उपसभापति: उनको बोलने दीजिए (व्यवधान) प्लीज डिस्टर्ब मत कीजिए। Let the clarifications come from the Minister properly.

श्री सुख राम: ऐसा तो मत करिए। इसमें सारे टेंडर कंडीशन जो आपके दिए हुए हैं, रेलिवेंट जो उसमें लगा दिये गए हैं मगर टेंडर कंडीशन में गवर्मेंट का यह राइट है, उसमें बड़ा क्लीयर किया हुआ है कि कितनी स्टेट देनी है। The Government reserves that right. उसमें हमने कोई परिवर्तन नहीं किया। (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him answer.

SHRI SUKH RAM: I can supply you the Documents of tendr conditions in which it is mentioned that the Government reserves the right of allocating any number of circles to the bidding companies. That is there. We have not violated any condition of that tender document.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I did not ask about the tender. I asked about the basic rules which were supplied to the Parliament.

श्री दिग्विजय सिंह: (व्यवधान) यह तो घोटाला है। (व्यवधान) इसमें 15 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is still answering. *(Interruptions).*

SHRI SUKH RAM: If you don't allow me to answer.....

उपसभापति: आप बोलने दीजिए (व्यवधान) नहीं मंत्री जी आप बोलिए। आप उधर देखकर मत बोलिए।

You have my protection.

श्री सुखराम: जहां तक आप्शन का ताल्लुक है, हमने आप्शन महज़ हिमाचल फ्यूचरिस्टक को ही नहीं दी बल्कि टेंडर में जिस एक कंपनी की पांच सर्कल्ज में हाइयस्ट बिड थी, हमने उनको भी हमने आप्शन दी। उनकी एच-2 में तीन में हाइयेस्ट बिड थी, उनको एक सर्कल देना था, हमने उनको जो यू॰एस॰ वेस्ट कंपनी है, बी॰पी॰एल॰ उसका पार्टनर है, आप्शन दिया कि तीन में से जो एक स्टेट चुनना चाहे वह चुन लें (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन: क्यों दिया? आप्शन क्यों दे रहे है (व्यवधान) आप किस की मदद कर रहे हैं...(व्यवधान) जहां ज्यादा पैसा मिलता है, वह स्टेट दे दीजिये (व्यवधान)

श्री दिग्विजय सिंह: सरकार का नुकसान हो रहा है (व्यवधान) 20 हजार करोड़ रुपये का सवाल है (व्यवधान)

उपसभापति: जवाब दे रहे है। (व्यवधान) बोलिये।

श्री प्रमोद महाजन: एक लाख करोड़ का घोटाला है (व्यवधान)

श्री दिग्वजय सिंह: 20 हजार करोड़ का नुकसान है (व्यवधान)

श्री सुखराम: घोटाले वालों को घोटाला ही नज़र आएगा (व्यवधान)

उपसभापति: जवाब दे रहे हैं, अभी टाइम है। (व्यवधान)

दिग्विजय सिंह: इसमें इन्कवायरी होनी चाहिये मेडम (व्यवधान)

श्री सुखराम: मैं तो कह रहा हूं हमने सब के साथ एक नियम बरता है, नम्बर एक (व्यवधान) इसमें अगर माननीय सदन की प्रोसीडिंग्ज को आप देखेंगे तो माननीय सदन के सदस्यों ने इस बात की शंका ज़ाहिर की थी कि क्योंकि एक कंपनी ने बहुत से सर्कल्ज़ के टेंडर दिये हुए थे यह पूछा गया कि आप कोई उसमें मोनोपली तो क्रियेट नहीं करेंगे। मैंने दोनों सदनों में यह कहा था कि हम मोनोपली क्रियेट नहीं करना चाहते हैं। मेडम, अभी 20 सर्कल है और हमारे इन 20 सर्कलों में एक ही कंपनी को अगर हम 9 सर्कल दे देते तो डे॰ओ॰टी॰ की मोनोपली तोड़ कर प्राइवेट सेक्टर की मोनोपली हम क्रियेट करते। इस वास्ते आज रुपये का प्रश्न नहीं है। (व्यवधान) प्रश्न यह है (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन: जब आपको पता था Why did you allow? *(Interruptions).....*

SHRI NILOTPAL BASU: There should be an enquiry into this *.....(Interruptions).....*

श्री दिग्विजय सिंह: जिस नियम के तहत 20 हजार

करोड़ रुपये का घाटा हो उसको आप कैसे पूरा करेंगे? ज़रा यह बताएं? (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: उनसे आप्शन क्यों लिया (व्यवधान) हम तो कहते हैं कि आप हाइयेस्ट विड वाले को दे देते (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद महाजन: पहले क्यों नहीं लिखा था? (व्यवधान)

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: टेंडर में पहले क्यों नहीं लिखा कि हम तीन से ज्यादा सर्कल नहीं देंगे? (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is not proper...*(Interruptions)*...

जयपाल रेड्डी जी, उनके सवाल का जवाब पूरा होने दीजिये (व्यवधान) आप बैठिये (व्यवधान)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I have put a specific question...*(Interruptions)*...

उपसभापति: अगर आप बैठेंगे नहीं तो क्वेश्चन आवर खत्म हो जाएगा, आपके सवाल का जवाब नहीं आएगा। मंत्री जी उन्होंने जो स्पेसेफिक सवाल किया है, कृपया आप स्पेसेफिक जवाब दे दें (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन: सिर्फ एक सेंटेंस।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Why don't you listen?...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद महाजन: मेडम, एक सेंटेंस में रिपीट करूंगा। हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशन लिमिटेड ने 9 सर्कल्ज़ की जो बिडिंग दी है क्या उनको हाइयेस्ट तीन में दिया जाएगा? दैट इज़ ऑल। बाकी मुझे कुछ नहीं चाहिये। हिमाचल फ्युचरिस्टिक कम्युनिकेशंस को 9 में से तीन हाइयेस्ट बिडिंग वाले प्रदेश दे दीजिये (व्यवधान)

उपसभापति: आप बैठिये मिरी जी। आप बैजिये। नो मोर टाक्स प्लीज़ (व्यवधान)

श्री सुखराम: मैंने यह कहा है कि हमने जो पॉलिसी डिसिज़न लिया है केपिंग करने के लिए, वह कायदे के मुताबिक है। हमको राइट था वह करने के लिए। वह टेंडर कंडीशन में है। हमने पॉलिसी डिसिज़न यह भी लिया कि उसकी आप्शन होगी। जो केपिंग के बाहर की स्टेट है (व्यवधान) देखिये, सुनिये।

उपसभापति: बात तो सुनने दो (व्यवधान)

श्री सुख राम: आप सुनते क्यों नहीं हैं (व्यवधान) हमने पालिसी डिसिज़न लिया है *(व्यवधान)*

श्रीमती सुषमा स्वराज: क्यों लिया है (व्यवधान)

श्री दिग्विजय सिंह: यह मंजूर कर रहे हैं कि चोरी हमने करवाई 20 हजार करोड़ रुपये की (व्यवधान) हम लोगों ने सुना है इस बात को (व्यवधान) अभी अभी कहा कि 20 हजार करोड़ रुपया सरकार का गया (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: आप सिर्फ इतने सवाल का जवाब दिलवा दीजिए कि यह डिसिजन क्यों लिया..(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: बैठ जाइए आप लोग। If you keep quite, if you don't interrupt the Minister, then I will get you the answer. If you keep on interrupting him, I will not be able to do anything. Please sit down.....*(interruptions)*..... Please sit down. I will not allow anything more till the Minister replies. I cannot allow unruly scenes during the Question Hour. Let the Minister reply first. Only after completion of his reply, I will allow other supplementaries. He is still answering. So, please don't intettupt him..... *(interruptions)*..... Please don't interrupt the Minister.

(व्यवधान) मंत्री जी, साधारण सवाल है उनका, उन्होंने बहुत लम्बी दास्तान सुनाकर कही है, मगर सवाल उनका यह था प्वाइंटेड क्वेश्चन यह था कि यह जो हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्पनी है उसका जो कैपिंग करा है, उन्होंने टेंडर 9 जगह भरे थे, उन 9 जगहों में जहां-जहां टेंडर भरे थे क्या आप अपनी मर्जी से उनको इजाजत देंगे कि तुमने यहां हाइएस्ट टेंडर भरा है, तुमने खुद वालंटरिली भरा है, तुम यह तीन जगह पर दो क्योंकि यह कैपिंग में आता है, या आप उनको फ्रीडम दे रहे है कि वे जहां तहां चुने।

अब बिल्कुल मैंने आपका स्पेसिफिक कर दिया है। अब जवाब आने दीजिए..(व्यवधान)

I have clarified the matter to the Minister. Let us see what happens..... *(interruptions)*..... I am used to hearing and understanding what so many people are saying. I can make a differentiation of what they are saying. But the Minister is not used to it. Please ask one

supplementary at a time. That is for what I am here. Now, please don't interrupt the Minister.

श्री सुख राम: मैडम, मैंने इसका रिप्लाई तो दे दिया है। मगर आप चाहे तो फिर रिपीट कर देता हूं उसको। इसमें मैंने यही रिप्लाई दिया है— फिर मैं उसको दोहराना चाहूंगा कि जहां तक कैपिंग का प्रश्न है वह सिर्फ एक कम्पनी के लिए नहीं है बल्कि सब कम्पनियों के लिए है.....

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: शुरू में क्यों किया?

श्री सुख राम: आप बात सुने.....(**व्यवधान**)

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, they are interrupting the Minister in every sentence. it is not proper.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think the problem is that you don't want to keep your communication with the Chair. If you don't want to keep your communication with the Chair, then I cannot get you the required reply.

श्री सिकन्दर बख्त: आप फ्यूचरिस्टिक कम्पनी को सामने रखकर बताएं.....,(**व्यवधान**) वहां तक कन्फाइन कर दिया है उसको आपने .....(**व्यवधान**) दूसरी कम्पनियों को क्या सहूलियतें है.....(**व्यवधान**)

Hindi (Nastaliq): جناب وردھی دل (شری سکندر بخت): آپ فیوچرسٹک کمپنی کو سامنے رکھکر بتائیں ... "مداخلت" ... وہاں تک کنفائن کر دیا ہے اسکو آپنے ... "مداخلت" ... دوسری کمپنیوں کو کیا سہولتیں ہیں ... "مداخلت" ...

श्री सुख राम: हमने जो पालिसी डिसिजन लिया है वह महज एक कम्पनी के लिए नहीं बल्कि सबके लिए है। पहले तो यह बात है—चाहे वह सेल्यूलर में था चाहे वह बेसिक में था.....(**व्यवधान**)

Please try to understand what I am saying. After that if you have any other doubts, you can put them to me later on.

एक तो मैंने कहा कि सबके लिए वह था....(**व्यवधान**) ताकि मोनोपोली न हो। आधे हिंदुस्तान को हम एक कम्पनी को नहीं दे सकते हैं महज इस बात पर कि उनका रुपया ज्यादा है। अगर मैं 9 का लाइसेंस दे देता .....(**व्यवधान**)

Transliteration in Aratric Script.

उपसभापति: आप एक मिनट रुकिए.....(**व्यवधान**)

श्री सुख राम: अगर मैं 9 का लाइसेंस दे देता, 9 स्टेट्स इनको दे देता तो माननीय सदन में ही यह बड़ी चर्चा होती कि यहां मोनोपोली क्रीएट कर दी गयी है जो मैंने पहले ही कहा.....(**व्यवधान**)

SHRI DIGVIJAY SINGH: Here is the catch.....(*interruptions*)....

उपसभापति: मंत्री जी, यह सवाल नहीं है.....(**व्यवधान**) सवाल यह पूछ रहे है.....आर्डर प्लीज, भंडारी जी.....(**व्यवधान**) सवाल यह नहीं पूछ रहे है पालिसी का। पालिसी तो आपकी बहुत अच्छी है कि आप सबको मौका दे रहे हैं। उनका सवाल सिर्फ यह है कि जो आपने पालिसी नियुक्त की है, जो मैं समझ पाई हूं कि आप यह डिसिजन अपने पास रखेंगे या आप कम्पनी को दे देंगे.....(**व्यवधान**) आप कम्पनी को फ्रीडम देंगे कि खुद रखेंगे?

श्री सुख राम: हमने सब जगह एक आप्शन दी है.....(**व्यवधान**) जरा सुन लीजिए। बात सुन लीजिए। हमने सब जगह आप्शन दी है कि जहां कम्पनी तीन जगह से ज्यादा हाइएस्ट है वहां कम्पनी को आप्शन होगा।

कई माननीय सदस्य: क्यों होगा.....(**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is for everybody. (*Interruptions*) It is for everyone. What is the big deal about it? (*Interruptions*)

SHRI DIGVIJAY SINGH: No. We are not happy with this. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't understand. (*Interruptions*) बैठिए। ...(**व्यवधान**) Let him ask. (*Interruptions*) बैठिए। ...(**व्यवधान**) No. No. This is not the way. (*Interruptions*) Please sit down. He asked and the Minister has answered. (*Interruptions*) Mr. Jaipal Reddy's name is there. Let him ask. (*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Madam, he has to give reasons.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a policy. (*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: He has to give reasons.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a policy decision.

बैठिए-बैठिए। ...(**व्यवधान**) अच्छा, अपनी जगह पर जाइये, अपनी जगह पर जाइये। ...(**व्यवधान**)। अच्छा, अपनी जगह पर जाइये, अपने जगह पर जाइये। ...(**व्यवधान**)

SHRI DIGVIJAY SINGH: Madam, ask him to go. (*Interruptions*) Let there be a House committee. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, we want an enquiry by a House committee. (*Interruptions*) We want an enquiry by a House committee, Madam. (*Interruptions*)

उपसभापति: अपनी जगह जाइये ...(**व्यवधान**)... अपनी जगह पर जाइये...(**व्यवधान**)... बैठिए। ...(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए ...(**व्यवधान**) बैठिए, बैठ जाइये।...(**व्यवधान**)

Please sit down. (*Interruptions*) Sit down. (*Interruptions*) Please take your seats. (*Interruptions*) आप अपनी जगह पर बैठिए। When I allow the Minister to answer, you don't want to listen. (*Interruptions*) Please sit down. प्लीज़, बैठिए। बैठिए-बैठिए। अपनी जगह पर बैठिए। ...(**व्यवधान**) Don't do this. Sit down. (*Interruptions*) Sit down. (*Interruptions*) sit down.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, the Minister must resign. (*Interruptions*)

SHRI MOHAMMED AFZAL *ALIAS* MEEM AFZAL Madam, the Minister must go. (*Interruptions*) सुख राम, इस्तीफा दो। ...(**व्यवधान**) सुख राम, इस्तीफा दो। ...(**व्यवधान**)

उपसभापति: बैठिए, अपनी जगह पर बैठिए। (*Interruptions*) You should not allow it. Let them go to their seats. (*Interruptions*) What will you say? (*Interruptions*) Ask your people not to do it. This is very unruly. It is not at all permitted. (*Interruptions*) I can't permit such scenes over here. (*Interruptions*) Please sit down.

SHRI SIKANDER BAKHT: Madam, ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing it. (*Interruptions*)

SHRI SIKANDER BAKHT: Madam, ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. I am not allowing it. It will not go on record. This is very unfair.

SHRI SIKANDER BAKHT:*

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. No. (*Interruptions*)

SHRI SIKANDER BAKHT:*

SHRI MOHAMMED AFZAL *ALIAS* MEEM AFZAL:*

SHRI NILOTPAL BASU:*

उपसभापति: बैठिए ...(**व्यवधान**)... It is for everybody. (*Interruptions*) बैठ जाइए। Go back. (*Interruptions*) Go back to your seats. (*Interruptions*) Go back. (*Interruptions*) Not here. (*Interruptions*) Not here. (*Interruptions*) What is this? (*Interruptions*) Go back. (*Interruptions*)? Go back. (*Interruptions*).

ये क्या तरीका है? ये क्या हो रहा है? ये गलत बात है।

...(**व्यवधान**)...

Qustion Hour is over. Please go back to your seats ...(*Interruptions*)... Now Papers to be laid on the Table of the House.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Telephone connection to Panchayat Headquarters in Orissa

*143. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number of telephones installed at the Panchayat headquarters in Orissa particularly in the former undivided Koraput district;

---

*Not recorded.